ISSN: 2456–4397 RNI No.UPBIL/2016/68067 Vol-4* Issue-10* January- 2020
Anthology : The Research

मध्यप्रदेश मे जनांकीय जनगणना 2011

बी0 डी0 खरबार
सहायक प्राध्यापक,
भूगोल,
शासकीय महाविद्यालय,
सिलवानी, रायसेन
म.प्र., भारत

सारांश

प्रस्तुत शोध पत्र में जनगणना 2011 के आधार पर राज्य के मानव संसाधन विकास को विश्लेषण करने का प्रयास किया गया है। जनांककीय जानकारी का प्रमुख स्रोत है भारतीय जनगणना जिसमें आर्थिक गतिविधि, साक्षरता और शिक्षा के ऑकड़े ग्राम, नगर और ब्लाक स्तर के प्राप्त होते है। राज्य सरकार और केन्द्र सरकार की योजना के लिये उपयोगी होते है साथ ही राष्ट्रीय, अंतराष्ट्रीय ऐजेंसी, शोधकर्ता लोक व्यापार, उद्योगो के लिये उपयोगी होते है। जनगणना इतिहास में 2011 के ऑकड़े भारतीय दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण हो सकते है। यह जनांककीय ऑकड़े देश में मानव संसाधन के लिये अति महत्वपूर्ण हो सकते है जिनमें बहुतकनीक, बहुसंस्कृति, बहुस्तरीय समाज के लिय जनगणना के ऑकड़े महत्वपूर्ण हो सकते हैं। जनगणना न केवल जनांककीय ऑकड़े बल्कि आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक परिदृश्य समय विशेष को प्रस्तुत करते है। यह कहने में अतिशयोक्ति नही होगी कि हमारी जनगणना ही हमारा भविष्य है।

मुख्य बिन्दुः– लिंगानुपात, घनत्व, दशकीय वृद्धि, मानव स्रोत।

मानव संसाधन से तात्पर्य है देश में जनसंख्या का आकार, उनकी दक्षता, शैक्षणिक गुणवत्ता, योग्यता कमियॉ।

"The total Knowledge,Skills, creative abilities, talent and aptitude of an organisation or Nation workforce, as well as the value, attitude and beliefs of the individual involved." अर्थात मानव संसाधन से तात्पर्य मानव पूॅजी और मानव पूॅजी प्राप्त करने की योग्यता,क्षमता और तकनीकी ज्ञान ही देश की जनसंख्या है।

मानव संसाधन के लिये अति आवश्यक है कि जन्म दर को नियंत्रण किया जावे। यह दोनों दृष्टिकोण में उसकी सम्पति और उसकी योग्यता के लिये जरुरी है जिसका संबद्ध उसके आर्थिक विकास से है जिसका कि आर्थिक विकास के समय सही उपयोग किया जा सके। यह प्राकृतिक और मानवीय स्रोत के लिये अति आवश्यक है।

रिचर्ड टी0 गिल के शब्दों में –

Economic development is not a mechanical Proces. It is a human enterprise and like all human enterprises,its outcome willdepend finally on the skill, the quality and attitude of the man who undertake it.

विकास मानव प्रयास का परिणाम है। हमेशा से आर्थिक विकास प्राकृतिक स्रोतो पर निर्भर नही रहा है लेकिन यह प्राकृतिक स्रोतो का उपयोग के लिये मानव की दक्षता पर बहुत अधिक निर्भर करता है।

देश में जो आर्थिक विकास के स्तर में भिन्नता दिखाई पड़ती है उसका कारण है मानव संसाधन की गुणवत्ता। आर्थिक कल्याण की दृष्टि में मानव संसाधन का गहन अध्ययन आवश्यक है। मानवता के लिये आवश्यक है सभी लोगो को आवश्यक सुविधाऍ, उत्पादन में महत्वपूर्ण यंत्र सभी आर्थिक गतिविधि के लिये अच्छी सुविधाऍ/दशाए प्राप्त हो सके इसी महत्वपूर्ण उद्देश्य को ध्यान में रखकर म.प्र. के मानव संसाधन जनांककीय भविष्य का अध्यापन करने का प्रयास किया गया है।

मध्यप्रदेश में जनाककीय परिदृश्य

मध्यप्रदेश में जनांककीय परिदृश्य को जानने के लिये भारत की जनगणना द्वारा एकत्रित किये गये ऑकड़े जो प्रति दस वर्ष बाद एकत्रित किये जाते है भारतीय जनगणना में एकत्रित ऑकड़ों से देश का जनांककीय परिदृश्य मालूम पड़ता है इसी के तहत मध्यप्रदेश के जनांककीय परिदृश्य को तैयार कर विश्लेषण करने का प्रयास किया गया है।

1. जनसंख्या का आकार
2. जनसंख्या वृद्धि दर
3. जनसंख्या घनत्व
4. लिंगानुपात
5. जनसमूह 0–6 के बीच लिंगानुपात
6. साक्षरता

जनसंख्या का आकार

भारत की कुल जनसंख्या का 5.99 प्रतिशत मध्यप्रदेश में है। भारत के 29 राज्य एवं 6 केन्द्रशासित प्रदेश में 06वॉ स्थान मध्यप्रदेश का है। भारत में मध्यप्रदेश की स्थिति का विवरण नीचे दी गई सारणी में प्रस्तुत है।

राज्य / कोड	भारत / राज्य / केन्दशासित प्रदेश	कुल जनसख्या			लिंगानुपात	घनत्व	दशकवार वृद्धि दर
		व्यक्ति	पुरुष	महिला			
	भारत	1,210,193,422	623,724,422	586,469,17	940	382	17.64
1	जम्मू और कश्मीर	12,548,926	6,665,561	5,883,365	883	124	23.71
2	हिमाचल प्रदेश	6,856,509	3,473,892	3,382,617	974	123	12.81
3	पंजाब	27,704,236	14,634,819	13,069,417	893	550	13.73
4	चण्डीगढ़	1,054,686	580,282	474,404	818	9,252	17.10
5	उत्तराखण्ड	10,118,752	5,154,178	4,962,574	983	189	19.17
6	हरियाणा	25,353,081	13,505,130	11,847,951	877	573	19.90
7	केन्द्र शा.देहली	16,753,235	8,976,410	7,776,825	866	11,297	20.96
8	राजस्थान	68,621,012	35,620,086	33,000,926	926	201	21.44
9	उत्तर प्रदेश	199,581,477	104,596,415	94,985,062	908	828	20.09
10	बिहार	103,804,637	54,185,347	49,619,290	916	1,102	25.07
11	सिक्किम	607,688	321,661	286,027	889	86	12.36
12	अरुणाचल प्रदेश	1,382,611	720,232	662,379	920	17	25.92
13	नागालैंड	1,980,602	1,025,707	954,895	931	119	0.47
14	मणिपुर	2,721,756	1,369,764	1,351,992	987	122	18.65
15	मिजोरम	1,091,014	552,339	538,675	975	52	22.78
16	त्रिपुरा	3,671,032	1,871,867	1,799,165	961	350	14.75
17	मेघालय	2,964,007	1,492,688	1,471,339	986	132	27.82
18	असम	31,169,272	15,954,927	15,214,345	954	397	16.93
19	पश्यिम बंगाल	91,347,736	46,927,389	44,420,347	947	1,029	13.93
20	झारखण्ड	32,966,238	16,931,688	16,034,550	947	414	22.34
21	उड़ीसा	41,947,358	21,201,678	20,745,680	978	269	13.97
22	छत्तीसगढ़	25,540,196	12,827,915	12,712,281	991	189	22.59
23	मध्यप्रदेश	72,597,565	37,612,920	34,984,645	930	236	20.30
24	गुजरात	60,383,628	31,482,282	28,901,346	918	308	19.17
25	दमन और द्वीप	242,911	150,100	92,811	618	2,169	53.54
26	दादर और नगर हवेली	342,853	193,178	149,675	775	698	55.50
27	महाराष्ट	112,372,972	58,361,397	54,011,575	925	365	15.99
28	आन्ध्राप्रदेश	84,665,533	42,509,981	42,155,652	992	308	11.10
29	कर्नाटक	61,130,704	31,057,742	30,072,962	968	319	15.67
30	गोवा	1,457,723	740,711	717,012	968	394	8.17
31	लक्ष्द्वीप	64,429	33,106	31,323	946	2,013	6.23
32	केरल	33,387,677	16,021,200	17,366,387	1,084	859	4.86
33	तमिलनाडु	72,138,958	36,158,871	35,980,087	995	555	15.60
34	पांडिचेरी	1,244,464	610,485	633,979	1,038	2,598	27.72
35	अंडमान और निकोवार द्वीप समह	379,944	202,330	177,614	878	46	6.68

स्रोत :– भारतीय जनगणना 2011

सारणीः–3
मध्यप्रदेश में जनसख्या वृद्धि 1901–2011

वर्ष	जनसंख्या लाख में	परिवर्तन प्रतिशत में	भारत में परिवर्तन प्रतिशत में
1901	12679214	–	–
1911	14249382	12.4	+5.75
1921	13906774	2.4	–0.31.
1931	15326879	10.2	+11.00
1941	17175722	12.1	+14.22
1951	18614931	8.4	+13.31
1961	23217910	24.2	+21.51
1971	30016625	29.3	+24.80
1981	38168507	27.2	+24.66
1991	48566242	27.2	+23.50
2001	60348023	24.3	+21.34
2011	72597565	20.3	+17.64

स्रोत :– भारतीय जनगणना 2011

जनसख्या घनत्व

जनसंख्या घनत्व का तात्पर्य प्रतिवर्ग किलोमीटर क्षेत्र में रहने वाले लोगों की सख्या ही जनघनत्व कहलाती है देश अथवा राज्य में जनसंख्या घनत्व का संबंध आर्थिक विकास के स्तर से होता है। जनसंख्या घनत्व से ही किसी राज्य अथवा देश के प्राकृतिक स्रोत जलवायु, भू आकृति और स्रोत के उपयोग में तकनीक का कितना उपयोग हुआ है। अन्य शब्दों में जहॉ औद्योगिकरण होता है वहॉ जनघनत्व अधिक होता है।

जनगणना 2011 के अनुसार मध्यप्रदेश में औसत जनघनत्व 236 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है जबकि भारत में औसत जनघनत्व 382 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है। तुलनात्क रुप से यह देखना रुचिकर होगा की मध्यप्रदेश के पड़ोसी राज्यों में जनघनत्व की स्थिति क्या है।

सारणीः–4
मध्यप्रदेश के पड़ोसी राज्यों में जनसंख्या एवं जनसंख्या घनत्व

राज्य	जनसंख्या	जनसंख्या घनत्व प्रति वर्ग कि0मी0में	
		2001	2011
भारत	1210,193,422	324	382
मध्यप्रदेश	72597565	196	286
गुजरात	60383628	258	308
राजस्थान	68621012	165	201
उत्तरप्रदेश	199581477	689	828
बिहार	103804637	880	1102
उड़ीसा	41947358	236	269
छत्तीसगढ़	25540196	154	189
महाराष्ट्र	1123722972	314	365

स्रोत :– भारतीय जनगणना 2011

जनगणना 2011 के अनुसार भारत में जनसंख्या घनत्व 382 व्यक्ति, म0प्र0 में 236 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है म0प्र0 के पड़ोसी राज्य उत्तरप्रदेश में 828, गुजरात 308, महाराष्ट्र 305 में जनघनत्व अधिक है इसका कारण इन राज्यो में औद्योगीकरण के कारण नगरीयकरण अधिक हुआ है। जबकि राजस्थान 201 छत्तीसगढ़ 189 में जनघनत्व कम है यहॉ विकास का स्तर कम है।

लिगानुपात

किसी भी जनसख्या चर्चा में स्त्री और पुरुषों की संख्या के बीच संबंध पर बात करना आवश्यक होता है हम लंबे समय तक किसी एक लिंग से दूसरे को अधिक सुपर नही कह सकते। इस पर बहस नही कर सकते, लेकिन पुरुष और स्त्री की संख्या बराबर है या नही ? इस पर बात करना आवश्यक है। आदमी की संख्या बढ़ती है लेकिन उनके साथियों की संख्या नही, तब समाज में bride Price बढ़ता है। सच कहा जावे तो स्त्री और पुरुषों की संख्या सभी देशों में हर समय बराबर हो। यह आइडियल प्रतिरुप है। प्रकृति का नियम है कि जन्म के समय पुरुषों की संख्या स्त्री की संख्या से अधिक होती है। सामान्यता जन्म के समय प्रति हजार पुरुषों पर स्त्रियों का औसत 943–955 स्त्री होता है। यह अंतर प्रति 1000 पुरुषो पर 50 का होता है अधिकांश जनविशेषज्ञ यह विश्वास करते है कि यह रुखी हुई है।

भारतीय जनगणना 2011 के अनुसार मध्यप्रदेश में प्रति हजार पुरुषों पर स्त्रियों की संख्या 930 है भारत में यह संख्या 940 है जो तुलनात्मक रुप से अधिक है। मध्यप्रदेश के पड़ोसी राज्यों में लिंगानुपात सारणी 5 में

राज्य	दशकवार जनसंख्या वृद्धि	लिंगानुपात	कुल जनसख्या का 0–6 वर्ष के उपर की जनसंख्या	0–6 वर्ष आयु वर्ग में लिंगानुपात
भारत	17.64	940	13.12	914
मध्यप्रदेश	20.30	930	13.57	912
गुजरात	19.17	918	14.31	986
राजस्थान	21.14	926	14.84	883
उत्तरप्रदेश	20.09	908	13.83	899
बिहार	5.07	916	16.83	933
उड़ीसा	13.97	978	12.11	934
छत्तीसगढ़	22.59	991	13.38	964
महाराष्ट्र	15.99	946	12.05	883

प्रस्तुत है।

सारणीः–5
मध्यप्रदेश के पड़ोसी राज्यों में जनसंख्या लिगांनुपात

स्रोत :– भारतीय जनगणना 2011

सारणी से स्पष्ट होता है कि मध्यप्रदेश में लिंगानुपात अपने पड़ोसी गुजरात, राजस्थान, उत्तरप्रदेश राज्यों से अधिक है। कारण इन राज्यों (ऐवार्सन) लिंग जॉच का प्रचलन अधिक है। महाराष्ट, छत्तीसगढ़ राज्यों की अपेक्षा म.प्र.राज्य में लिंगानुपात कम है।

षिषु लिंगानुपात (0–6 आयु वर्ग)

सारणी से इस आयु वर्ग में लिगानुपात में नवीन परिवर्तन देखने में आ रहे है कारण पुत्री की बजाय पुत्र को प्राथमिकता दी जाती है। जब जन्म के पहले लिंग जॉच की तकनीक उपलब्ध नही थी तब यह अनुपात हमेशा संतुलित

होता था। अब लिंग जॉच तकनीक के लिये बहुत से अस्पाताल/संस्था उपलब्ध हो गई है।

सारणीः–6

कुल जनसंख्या में लिंगानुपात एवं बच्चों की संख्या आयु समूह 0–6 वर्ष (2001 एवं 2011)

राज्य / संघ कोड	भारत/ राज्य/ केन्द्र शासित	कुल जनसंख्या		बच्चों की संख्या आयु समूह 0–6 वर्ष		जनसंख्या आयु 7 वर्ष एवं ऊपर	
		2001	2011	2001	2011	2001	2011
	भारत	933	940	927	914	934	944
01	जम्मू एंड काश्मीर	892	883	941	859	884	887
02	हिमाचल प्रदेश	968	974	896	906	980	963
03	पंजाब	876	893	798	846	888	899
04	चंडीगढ़	777	818	845	867	767	812
05	उत्तराखण्ड	962	963	908	886	973	975
06	हरियाणा	861	877	819	830	869	885
07	केन्द्रशासित दिल्ली	821	866	866	866	813	866
08	राजस्थान	921	926	909	883	923	935
09	उत्तर प्रदेश	898	908	916	899	894	910
10	बिहार	919	916	942	933	914	912
11	सिक्किम	875	889	963	944	861	883
12	अरुणाचल प्रदेश	893	920	964	960	878	913
13	नागालैंड	900	921	964	944	890	929
14	मणिपुर	974	987	957	934	977	995
15	मिजोरम	935	975	964	971	930	976
16	त्रिपुरा	948	961	966	953	945	962
17	मेघालय	972	986	973	970	971	989
18	असम	935	954	965	957	929	953
19	पश्चिम बंगाल	934	947	960	950	929	946
20	झारखण्ड	941	947	965	943	935	948
21	उड़ीसा	972	978	953	934	976	985
22	छत्तीसगढ़	989	991	975	964	992	995
23	मध्यप्रदेश	919	930	932	912	916	933
24	गुजरात	920	912	883	886	927	923
25	दमन ओर द्वीप	710	618	926	909	682	589
26	दादर नगरहवेली	812	775	979	924	779	752
27	महाराष्ट्र	922	925	913	883	924	931
28	आन्ध्रप्रदेश	978	992	961	943	981	997
29	कर्नाटक	965	968	946	943	968	971
30	गोवा	961	968	938	920	964	973
31	लक्ष्यद्वीप	948	946	959	908	946	951
32	केरल	1058	1084	950	959	1072	1099
33	तमिलनाडु	987	995	942	946	993	1000
34	पांडिचेंरी	1001	1038	967	965	1006	1047
35	अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह	846	878	957	966	831	868

स्रेत :– भारतीय जनगणना 2011

सारणी 6 के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि आयु समूह 0–6 वर्ग में भिन्नता देखने को मिलती है देश मे पंजाब राज्य में लिंगानुपात सबसे कम (846) मिलता है जो मध्यप्रदेश राज्य (912) से बहुत अधिक है मिजोरम जहॉ लिंगानुपात सबसे अधिक (971) से बहुत कम है। दशक 2001 से 2011 के बीच पंजाब राज्य मे सबसे अधिक 48 अंको की बढ़ोतरी हुई है।

मध्यप्रदेश राज्य में दशक 2001 में लिंगानुपात 932 था इस वर्ग की कुल संख्या 17.9 प्रतिशत थी। जो दशक 2011 में घटकर 912 हो गया है कुल संख्या 14.5 प्रतिशत रह गई है। राज्य में इस आयु वर्ग के लिंगानुपात में 20 अंको की गिरावट हुई है इसका कारण म.प्र. राज्य में लिंगभेद की प्रवृत्ति समाज में देखने को मिलती है। यह प्रवृत्ति शिक्षित समाज में देखने को अधिक मिलती है क्योकि राज्य के अति पिछड़े जिला झाबुआ में लिंगानुपात सबसे अधिक 20.3 प्रतिशत मिलता है जबकि सबसे कम लिंगानुपात जिला ग्वालियर में 12.5 प्रतिशत मिलता है ,जो कि राज्य का एक सम्पन्न जिला है।

राज्य के इस समूह वर्ग में दशक 1991–2001 के बीच 2.1 प्रतिशत की गिराबट हुई जो दशक 2001–2011के बीच गिरकर 3.3 प्रतिशत पर पहुॅच गई है। इस लिंगानुपात में गिरावट का एक प्रमुख कारण अच्छी स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता भी है जिसमें लिंग की जॉच प्रमुख है।

साक्षरता

यह वह सकारात्मक संख्या है जो शिक्षा और विकास के स्तर को बतलाती है विश्व बैंक द्वारा –विकसित देशों में जहॉ साक्षरता दर उच्च है वहॉ विकास की गति तेज है यहॉ तक कि आय और भौतिक निवेश में भी अंतर मिलता है वहॉ भौतिक निवेश की दर भी ऊॅची है। सतत् विकास में साक्षरता प्रमुख है विकास के अन्य सूचक की बजाय साक्षरता दर में उच्च सहसंबंध मिलता है। आधुनिक कामकाजी महिलाओं में व्यवसाय की सहभागिता का प्रतिशत उच्च है। विवाह के बाद यह संबंध सकारात्मक देखने को मिलता है

जनगणना में साक्षरता के दृष्टिकोण से अभिप्राय कोई व्यक्ति किसी भी भाषा में पढ़, लिख सकता है। कोई व्यक्ति पढ़ सकता है किन्तु लिख नही सकता है तो वह साक्षर की श्रेणी में नही गिना जावेगा। यह आवश्यक नही है कि वह औपचारिक शिक्षा, यहॉ तक कि स्कूल में कुछ लिखना और पढ़ना सीखा हो।

सारणीः–7
लिंगानुसार साक्षर और साक्षरता दर वर्ष 2011

राज्य /संघ कोड	भारत/राज्य/ केन्द्र शासित	साक्षरता			साक्षरता दर (प्रतिशत में)		
		व्यक्ति	पुरुष	महिला	व्यक्ति	पुरुष	महिला
	भारत	778454120	444203762	334250358	74.04	82.12	65.45
01	जम्मू एंड काश्मीर	7245053	4370604	2874449	60.74	78.26	58.01
02	हिमाचल प्रदेश	5104506	2791542	2312964	83.78	90.83	76.60
03	पंजाब	18988611	10626788	8361823	76.68	81.48	71.34
04	चंडीगढ़	809653	468166	341487	86.43	90.54	81.38
05	उत्तराखण्ड	6997433	3930174	3067259	79.63	88.33	70.70
06	हरियाणा	16904324	9991838	6912486	76.64	85.38	66.77
07	केन्द्रशासित दिल्ली	12763352	7210050	5553302	86.34	91.03	80.93
08	राजस्थान	38970500	24184782	14785718	67.06	80.51	52.66
09	उत्तर प्रदेश	118423605	70479196	47944609	69.72	79.24	59.26
10	बिहार	54390254	32711975	21678279	63.82	73.39	53.33
11	सिक्किम	449294	253364	195930	82.20	87.29	76.43
12	अरुणाचल प्रदेश	789943	454532	335411	66.95	73.69	59.57
13	नागालैंड	1357579	731796	625783	80.11	83.29	76.69
14	मणिपुर	1891196	1026733	864463	79.85	86.49	73.17
15	मिजोरम	847592	438949	408643	91.68	93.72	89.40
16	त्रिपुरा	2831742	1515973	1315769	87.75	92.18	83.15
17	मेघालय	1817761	934091	883670	75.48	77.17	73.78
18	असम	19507017	10756937	8750080	73.18	78.81	67.27
19	पश्चिम बंगाल	62614558	34508159	28106397	77.08	82.67	71.16
20	झारखण्ड	18753660	11168649	7585011	67.63	78.45	56.21
21	उड़ीसा	27112376	15326036	11786340	73.45	82.40	64.36
22	छत्तीसगढ़	15598314	8962121	6636193	71.04	81.45	60.59
23	मध्यप्रदेश	43827193	25848137	17979066	70.63	80.53	60.02
24	गुजरात	41948677	23995500	17953177	79.31	87.23	70.73
25	दमन ओर द्वीप	188974	124911	64063	87.07	91.48	79.59
26	दादर नगरहवेली	228028	144916	83112	77.65	86.46	65.93
27	महाराष्ट्र	82512225	46294041	36218184	82.91	89.82	75.48
28	आन्ध्रप्रदेश	51438610	28759782	22078728	67.66	75.56	59.74
29	कर्नाटक	41029323	22808468	18220855	75.60	82.85	68.13
30	गोवा	1152117	620026	532091	87.40	92.81	81.84
31	लक्ष्यद्वीप	52914	28249	24665	92.28	96.11	88.25
32	केरल	28234227	13755888	14478339	93.91	96.02	91.95
33	तमिलनाडु	52413116	28314595	24098621	80.33	86.81	73.86
34	पांडिचेंरी	966600	502575	464025	88.55	92.12	81.22
35	अण्डमान ओर निकोबार द्वीपसमूह	293695	164219	129476	66.27	90.11	81.84

स्रोत :– भारतीय जनगणना 2011

सारणी से स्पष्ट होता है कि सभी राज्यों में महिला साक्षरता की अपेक्षा पुरुष साक्षरता की दर अधिक है मध्यप्रदेश में साक्षरता दर (70.63) पुरुष साक्षरता दर राष्ट्रीय औसत (74.04 प्रतिशत) से अधिक है जबकि महिला साक्षरता राष्ट्रीय औसत से कम है।

सारणीः–8

राज्य और केन्द्र शासित प्रदेशों में साक्षरता दर की कोटि (रैंक) (2001 एवं 2011)

राज्य /संघ कोड	भारत/राज्य / केन्द्र शासित	साक्षरता दर		कोटि (रैंक)		दशकवार साक्षरता दर में अंतर (प्रतिशत में)
		2001	2011	2001	2011	
	भारत	64.63	74.04			9.21
01	जम्मू एंड काश्मीर	55.52	68.74	22	30	13.22
02	हिमाचल प्रदेश	76.48	83.78	11	11	7.30
03	पंजाब	69.65	70.69	15	21	7.03
04	चंडीगढ़	81.04	86.43	5	8	4.40
05	उत्तराखण्ड	71.62	79.63	14	17	6.01
06	हरियाणा	67.91	76.64	19	22	8.73
07	केन्द्रशासित दिल्ली	81.07	86.84	6	9	4.67
08	राजस्थान	60.41	67.06	29	33	6.65
09	उत्तर प्रदेश	50.27	69.72	31	29	13.45
10	बिहार	47.00	68.82	35	35	16.82
11	सिक्किम	68.81	82.20	12	13	13.39
12	अरुणाचल प्रदेश	54.14	66.95	33	34	12.61
13	नागालैंड	66.59	80.11	20	15	13.52
14	मणिपुर	69.03	70.85	22	16	9.92
15	मिजोरम	88.80	91.50	2	3	2.70
16	त्रिपुरा	73.10	87.75	13	4	14.56
17	मेघालय	62.56	75.45	27	24	12.02
18	असम	63.25	73.18	25	26	9.93
19	पश्चिम बंगाल	68.63	77.08	19	20	8.44
20	झारखण्ड	53.56	67.62	24	32	14.07
21	उड़ीसा	63.08	73.45	26	35	10.37
22	छत्तीसगढ़	64.06	71.04	23	27	6.30
23	मध्यप्रदेश	63.74	70.63	24	28	6.89
24	गुजरात	69.14	70.21	16	18	10.17
25	दमन ओर द्वीप	78.18	87.67	9	6	8.89
26	दादर नगर हवेली	57.03	77.05	30	19	20.02
27	महाराष्ट्र	76.80	82.01	10	12	6.03
28	आन्ध्रप्रदेश	66.64	75.00	21	23	8.96
29	कर्नाटक	60.47	67.06	28	31	7.10
30	गोवा	62.01	87.40	4	5	5.39
31	लक्ष्यद्वीप	86.66	92.20	3	2	5.02
32	केरल	90.86	93.91	1	1	3.05
33	तमिलनाडु	73.35	80.33	12	14	6.00
34	पांडिचेंरी	81.24	86.55	8	7	5.31
35	अण्डमान ओर निकोबार द्वीपसमूह	81.30	86.27	7	10	4.97

स्रोत :– भारतीय जनगणना 2011

साक्षरता दर का प्रभाव– दशकवार अंतर

जनगणना दशक 2001 और जनगणना दशक 2011 में केरल, मिजोरम, लक्ष्यद्वीप ओर त्रिपुरा में साक्षरता दर में सतत् वृद्धि हुई है। नागालैण्ड, मणिपुर, त्रिपुरा और दादर नगर हवेली की रेंक में 5 अंक का सुधार हुआ है। राज्य ओर सघ शासित प्रदेशों दादर और नगर हवेली की रेंक जो दशक 2001 में 30 थी वह दशक 2011में 19 वी रेंक पर आ गया है उसकी रेंक में 11 अंक का सुधार हुआ है।

पंजाब, छत्तीसगढ़, सिक्किम, मध्यप्रदेश और राजस्थान प्रदेशों की रेंक में दशक 2001 की अपेक्षा दशक 2011में चार रेंक की गिरावट आई है। इन राज्यों में सबसे अधिक गिरावट पंजाब राज्य में आई है जो 2001 में 15 वी रेंक पर था। वह दशक 2011 में 21वी रेंक पर आ गया है। पंजाब की रंक में 6 अंको की गिरावट हुई है। पूरे देश मे दशक 2001से दशक 2011 के बीच साक्षरता दर में 9.21 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

राज्य और संघ शासित राज्यों में दशक 2001 एवं 2011 के बीच इन राज्यों में साक्षरता दर में 10प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। दादर और नगर हवेली (20. 02) बिहार (16.82) त्रिपुरा (14.56) झारखण्ड (14.07) नागालैण्ड (13.52) उत्तरप्रदेश (13.45) सिक्किम (13.39) जम्मू और कश्मीर(13.22) मेघालय (12.92) अरुणाचल प्रदेश (12.61) उड़ीसा (10.37) गुजरात(10.12)

जनगणना दशक 2011 के ऑकड़ो से भारत के राज्यों में साक्षरता का जो परिदृश्य दिखाई पढ़ रहा है। उसमे मुख्यतः अशिक्षित लोगो की संख्या में कमी हुई है ओर साक्षर लोगो की संख्या में वृद्धि हुई है। लिंगानुसार साक्षरता का अंतर कम हुआ है पूर्ण विश्लेषण से ज्ञात हुआ है कि दशक 2001 के बाद जन्मे बच्चे साक्षर हए है, भारत के कुछ राज्य इनमे पीछे रह गये है।

निष्कर्ष

आज मानव संसाधन विकास की संकल्पना देश की जरुरत है राज्य या संगठन के उद्देश्य को हम हल्के में लेते है या उन्हें नजर अंदाज करते है। यह निर्भर करता हैं कि हम क्या और कौन से स्तर का औद्योगिक विकास और कैसे चाहते है, आज 21वी शदी का पहला दशक गुजर चुका है आज हम आधारभूत तत्वों में क्या परिवर्तन चाहते है राजनीतिक वातावरण, आर्थिक वातावरण और सामाजिक वातावरण और औद्योगिक और तकनीकि वातावरण कैसे निर्मित कर रहे है ये सब आर्थिक व्यवस्था को प्रभावित और निर्धारित करते है कि कैसे सफलतापूर्वक परिवर्तन ला सके। परिवर्तन हमेशा मानव को प्रभावित करता है और व्यवस्था ही उसे जिम्मेदारी देती है कि वह कैसी योजना बनाए और वह अधिकतम मानव स्रोतो का उपयोग कर सके। वर्तमान मे उदारीकरण के साथ अन्य आर्थिक सुधार, मानव स्रोतो के विकास की आवश्यकता है अतः उद्योगों और हमारी अर्थव्यवस्था में आने वाली जरुरतों से हमें सामना करना आवश्यक है।

भारत के मध्य में स्थित मध्यप्रदेश राज्य जो भौतिक दृष्टिकोण या भौगोलिक रुप से अति सम्पन्न राज्य है उसके लिये आवश्यक होगा कि यहॉ उपलब्ध मानव संसाधन का उपयोग विकास में कैसे और सही योजना के साथ कर सके कि उसका अधिकतम उपयोग राज्य के विकास में किया जा सके।

संदर्भ

1. K.L.Gupta."Indian Economy Development,Problem and Planning",1991
2. 92,p.1,12-13
3. 2. Human Development Report,Madhya Pradesh,2007
4. Census, 2011
5. Census of India, 2011, ***Madhya Pradesh***, Series 11, Part (1) and (2) in CD.
6. 5 .Sharma, S.K., 1990, "Changes in Economy as Reflected by the Occupational
7. Structure of Population in M.P.", pp. 285-308 in R.S. Doria, *et al.*, eds., ***Man***
8. ***Development and Environment***. New Delhi, Publishing House.
9. 6 .Sharma, S.K., 1992, b, ***Resource Utilization and Development*** (A Perspective
10. Study of Madhya Pradesh, India) New Delhi, Northern Book Centre.
11. 7 .Sharma, S.K., 1998, Reflection of Social Structure on Adoption, on 12-13 April
12. 1995; published pp. 165-177 in Y.G. Joshi and D.K. Verma, eds, ***Social***
13. ***Environment for Sustainable Development,*** Jaipur: Rawat Publication.
14. 8. Bhargava, Archana, 1991, ***"Resource and Planning for Economics***
15. ***Development.*** New Delhi: Northem Book Centre.
16. 9. कुमार,प्रमीला :मध्यप्रदेष एक भौगोलिक अध्ययन,म.प्र.हिन्दी ग्रन्थ
17. अकादमी,भोपाल 1996